ओडीओपी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए बनेंगे फैसिलिटी सेंटर

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना के बावजूद निर्यात के लिहाज से उत्तर प्रदेश की उपलब्धि सराहनीय रही। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत सहगल ने सोमवार को बताया कि अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच प्रदेश का निर्यात 30 फीसदी बढ़ा। कुल निर्यात में एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) स्कीम के उत्पाद 72 फीसदी थे। यही कारण हैं कि सरकार ने ओडीओपी उत्पादों के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने का फैसला किया है।

यूपी से निर्यात बढ़ाने में ओडीओपी उत्पादों की अहम भूमिका

डॉ. सहगल ने कहा कि आने वाले समय में ओडीओपी प्रदेश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन सकता है। यही नहीं प्रदेश ने 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का जो लक्ष्य रखा है उसमें भी ओडीओपी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसको ध्यान में रखते हुए जिलों के उत्पादों के अनुसार एक ही छत के नीचे इन उत्पादों से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए जा रहे हैं। इनमें से पांच बनकर तैयार हैं। ओडीओपी की संभावना के ही मद्देनजर सरकार ने अगले पांच साल में इसके निर्यात और इससे सृजित होने वाले रोजगार का लक्ष्य दोगुना रखा है। पिछले पांच साल में ओडीओपी से करीब 25 लाख लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार या स्वरोजगार मिला था। प्रदेश में प्रोजेक्ट्स गुड्स फॉर स्पेशल पर्पज में 2,747 फीसदी तक निर्यात बढ़ा है। ब्यूरो